श्री पवन कुमार बांसल : उससे पहले एक्सपोर्ट नहीं कर सकते हैं, यह क्या कह दिया है आपने ? आपने तो उल्टी बात कह दी है (**व्यवधान**) पहले एक्सपोर्ट करेंगे उसके बाद ही वह दूसरा काम कर सकते हैं । आपने तो उल्टा कह दिया (**व्यवधान**)

श्री सभापति : उनका मतलब यह है कि एक्सपोर्ट कमिटमेंट वह पूरा करेंगे (**व्यवधान**)

श्री शरद यादव : सभापति जी, मैंने साफ कहा है कि एक्सपोर्ट के करार की जो शर्तें हैं वह पूरी कराई जाएंगी । (**व्यवधान**)

श्री सैयद सिब्ते रजी : उनका कहना यह है (**व्यवधान**)

श्री सभापति : उनको सवाल करने दीजिए । (**व्यवधान**) यह बीच में उचकने का नया तरीका शुरु हो गया है (**व्यवधान**)

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Sir, the newspapers are full of allegations of kickbacks and they are pretty serious. • I would like to know from the Government whether they have also seen the newspaper reports of 'kick-forwards'. In other words, kickback is when you are paying to see a contract going through; and kick-forward is when you are paying to see a contract does not go through. And there have been allegations that a particular bottling company, cold arinks company in Bombay, is financing kick-forwards on this Pepsi deal. I would like to know whether the Minister would be good enough to appoint a Parliamentary Committee to examine both, the kick-forwards and the kickbacks.

श्री शरद यादव : मैंने पहले ही निवेदन किया है (**व्यवधान**) किक-बैक की बाबत बहुत सी खबरें अखबारों में निकली हैं (**व्यवधान**) जब हम विरोध पक्ष में थे (**व्यवधान**) लेकिन किक-फारवर्ड की बाबत मुझे जानकारी नहीं है (**व्यवधान**)

श्री दीपेन घोष : किक फारवर्ड के बारे में जानकारी नहीं है (**व्यवधान**)

एक माननीय सदस्य : नोटिस चाहिये ? (**व्यवधान**)

श्री सुब्रहमण्यम स्वामी : आप किकफारवर्ड के बारे में कुछ कहिये रिकार्ड के लिए (**व्यवधान**) What did he say, I couid not hear.... *(Interruptions)... I* have asked a que tion, Sir. Does he know about the kid forwards? The answer is yes or no,.. *(Interruptions)...*

श्री शरद यादव : स्वामी जी के बारे में जानता हूं, कि फारवर्ड के बारे में नहीं जानता ।

MR. CHAIRMAN; Question No. 244.

SHRI DIPEN GHOSH: Already there is a violation of the contract... *(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: I have called Q. No. **244.**

Purchasing strategy of cOtton corporation of India

*244. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of TEXTILES be pleaded so state:

(a) whether the Cotton Corporation of India has reoriented its purchasing strategy;

(b) if so, what are the salient features thereof;

(c) what would be the advantages thereof to the farmers?

THE MINISTER OF TEXTILES WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI SHARAD YADAV): (a) Yes, Sir.

(b) The Corporation has increased its volume of purchases, specially in respect

of varieties whose prices approach support levels to arrest decline in prices.

(c) This has ensured better return to the farmers.

श्री कमल मोरारका: काटन कापोरेशन आफ इंडिया जब बनाया गया था तो इसका उद्देश्य यह था कि किसानों को काटन का सही दाम मिले, कपास का सही दाम मिले और मिलों को जो काटन कारपोरेशन कपास दे तो उचित दामों में दे। मैं जानना चाहता हूं कि जिस साल के भी आंकड़े आपके पास हों, बतायें कि औसत कपास के क्या दाम किसानो को मिले और औसत किस दाम पर कपास इन्होंने मिलों को बेची, मार्जिन क्या रखा काटन कारपोरेशन आफ इंडिया ने ? किसी साल के भी आंकड़े आपके पास अगर हों तो दीजिए।

श्री शरद यादव: सभापति जी, जब से हमारी सरकार बनी है तब से काटन कारपोरेशन आफ इंडिया ने पिछले वर्ष से तो दुगनी खरीद की और मिनियम जो सपोर्ट प्राइस है उससे तकरीबन 15 फीसदी से लेकर 45 फीसदी तक के दाम उपर हमने दिये हैं। देश के किसानों की और कपास के उपभोक्ताओं की मदद करने के लिए सी० सी०आई० बना है। पिछले वर्ष हमने अपने केन्द्रों का विस्तार किया है। तकरीबन 25 केन्द्र हमने और आगे बढाये हैं और सी०सी०आई० ने इस बार रिमोट विलेजेज में जाकर खरीद करने का काम किया है। इस बार सभापति जी रिकार्ड हारवेस्ट हुई है। पिछले साल 106 लाख बेल उत्पादन हुआ था इस बार 122 लाख बेल उत्पादन हुआ है। इसके बावजूद भी०सी०सी०आई० ने आज की तारीख तक दुगुनी खरीद की है और माननीय सदस्य का जो प्रश्न है और जिसकी बाबत विस्तार से जो वे पूछना चाहते हैं उसकी मेरे पास जानकारी अभी नहीं हैं लेकिन जिस सवाल को उन्होंने पूछा है मैं उनको विस्तार से उस पर पूरा चार्ट देने का काम करूंगा। लेकिन इतना जरूर है कि इस बार किसानों की जो पैदावार है, जो देश के लिए एक मजबूत चीज है, उस पैदावार के प्राइसेज वाजिब रहें रेम्यूनरेटिव रहे इस बात के लिए सी० सी०आई० ने और हमारे मंत्रालय ने कई तरह के उपाय किये हैं। एक तो हमने एक्सपोर्ट कोटा पिछले साल के मुकाबले इस साल कई गुना अधिक दिया है और भीतर की, डोमेस्टिक जो डिमांड्स है उन डिमांड्स को मीट करने के लिए पूरी तैयारी कर रखी है। इस बार जो टेक्सटाइल इंडस्ट्री है उसको किसी तरह का नुक्सान भी नहीं होगा और जो एक्सपोर्ट है वह हम एक भी प्राइवेट डीलर को नहीं देंगे। पिछली सरकार के चलते 50 फीसदी जो एक्सपोर्ट कोटा होता था वह प्राइवेट ट्रेडर्स को दिया जाता था। इस सरकार के आने के बाद हमने यह जो कोटा है वह सारा स्टेट कोआपरेटिव्स और सी०सी०आई० को दिया है। चूंकि माननीय सदस्य मेरे मित्र हैं, अच्छा मौका दिया है इसलिए मैं पूरा बताना चाहता हूं। सी० सी०आई० ने और हमारे मंत्रालय ने इस मामले में बहुत मेहनत करने रोज डे टु डे मेहनत करके इस सवाल को बहुत मजबूती से पकड़ने का काम किया है और एक्सपोर्ट जो है....

श्री कमल मोरारका : मैं संतुष्ट हूं।

श्री राम चन्द्र विकल: महोदय, विस्तार की बात कमल मोरारका जी को मंत्री जी बाद में बतायेंगे जैसा उन्होंने कहा है लेकिन मैं तो मोटी-मोटी 2-4 बातें जानना चाहता हूं कि वे क्या हैं। विस्तार छोड़ दीजिए, संक्षेप में कुछ बतायेंगे ?

श्री सभापति: मोटी बातें क्या पूछना चाहते हैं, वह तो बतायें।

श्री राम चन्द्र विकल: निगम के कार्य-कलाप के बारे में।

श्री शरद यादव: मैंने तो आपको बहुत विस्तार से बताया।

श्री राम चन्द्र विकल: विस्तार तो स्वयं आपने कहा है।

श्री सभापति : कौन सी बात नहीं, स्पेसिफिक पूछिए। आप क्या जानना चाहते हैं वह पूछिए।

श्री रामचन्द्र विकल : मुख्य-मुख्य बातें इस सवाल में भी हैं ।

श्री शरद यादव : माननीय सदस्य कोई दूसरा सवाल पढ रहे हैं ।

श्री रामचन्द्र विकल : मोरारका वाला ही पढ रहा हूं । विस्तार में न बताइये, मुख्य-मुख्य बातें बताइये ।

श्री शरद यादव : मुख्य बताइये कि मैं क्या बताऊं ।

श्री राम चन्द्र विकल : आपने विस्तार-पूर्वक कहा है ।

श्री शरद यादव : कोई मुख्य बात तो कहिए ।

श्री राम चन्द्र विकल : निगम के कार्यकलाप और किसानों के बारे में बताइये ।

वित्त मंत्री (प्रो० मधु दण्डवते) : आप दूसरा सवाल पढ रहे हैं ।

श्री राम चन्द्र विकल : वही पढ़ रहा हूं ।

श्री शरद यादव : हमको बचाइये । हमको भी प्रोटेक्शन देना चाहिए । हमें समझ में नहीं आ रहा है कि क्या पूछ रहे हैं ।

श्री राम चन्द्र विकल : सवाल में भी यही है, मैं भी यही पूछना चाहता हूं ।

श्री शरद यादव : मैं पूछ रहा हूं कि इसमें सवाल क्या है ?

श्री राम चन्द्र विकल : मैं पूछ रहा हूं कि उचित दाम मिलने के लिए निगम द्वारा क्या विशेष काम किये गये हैं ? कुछ तो बता दें ।

श्री शरद यादव : मैं फिर से बता दूं । जैसे ही हमारी नई सरकार आई . . . (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Stepping up of support to cotton growers by Cotton Corporation of India

*245. SHRI GHUFRAN AZAM: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether the Cotton Corporation of India has stepped up support to the cotton growers in all cotton growing States; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF TEXTILES WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI SHARAD YADAV): (a) Yes, Sir.

(b) The Cotton Corporation of India has purchased 9. 78 lakh bales of cotton till 21-3-90 as against purchase of 4. 51 lakh bales during the corresponding period in the previous season.

Issue of Nanmda Bonds and Debentures for Sardar Sarovar Projects

*246. SHRI RAOOF VALIULLAH: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Gujarat Government has sought permission of the Ministry for the issue of Narmada bouds and debentures to the tune of Rs. 750 crores for the Sardar Sarovar Project, if so, whether it has been **approved;**

(b) whether such floatation of bonds have been permitted earlier also to the State Government for its projects; and

(c) whether it is a fact that there would be a resource gap of Rs. 1450 crores upto the end of Ninth Plan period in the expenditure requirement for this proejct and whether the State Government has proposed to make up the gap, if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF FINANCE (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) Chief Minister, Gujarat has written to the Finance Minister for permission to float